

Документ подписан простой электронной подписью  
Информация о владельце:  
ФИО: Смирнов Сергей Николаевич  
Должность: врио ректора  
Дата подписания: 22.07.2025 11:06:10  
Уникальный программный ключ:  
69e375c64f7e975d4e8830e7b4fcc2ad1bf35f08

МИНИСТЕРСТВО НАУКИ И ВЫСШЕГО ОБРАЗОВАНИЯ РОССИЙСКОЙ ФЕДЕРАЦИИ

ФГБОУ ВО "Тверской государственный университет"

План утвержден ученым советом  
Протокол № 11 от 16.04.2025

УЧЕБНЫЙ ПЛАН

по программе бакалавриата

38.03.05

БИЗНЕС-ИНФОРМАТИКА

Профиль: Бизнес-аналитика  
Институт: Экономики и управления

|                                          |
|------------------------------------------|
| Квалификация: Бакалавр                   |
| Форма обучения: Очная                    |
| Срок получения образования: 4 г.         |
| Типы задач профессиональной деятельности |
| аналитический                            |
| организационно-управленческий            |

|                                           |                     |
|-------------------------------------------|---------------------|
| Год начала подготовки (по учебному плану) | 2024                |
| Учебный год                               | 2025-2026           |
| Образовательный стандарт (ФГОС)           | № 838 от 29.07.2020 |

План Учебный план бакалавриата '38.03.05 Бизнес-информатика 2024.plx', код направления 38.03.05, профиль : Бизнес-аналитика, год начала подготовки 2024

| Семестр обучения |  | Лекции |  | Лабораторные |  | Формы курсов, элт. |  | Э.А. |  | Итого академических |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 1 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 2 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 3 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 4 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 5 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 6 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 7 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 8 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 9 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 10 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 11 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 12 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 13 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 14 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 15 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 16 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 17 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 18 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 19 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 20 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 21 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 22 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 23 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 24 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 25 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 26 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 27 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 28 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 29 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 30 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 31 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 32 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 33 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 34 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 35 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 36 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 37 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 38 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 39 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 40 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 41 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 42 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 43 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 44 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 45 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 46 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 47 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 48 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 49 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 50 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 51 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 52 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 53 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 54 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 55 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 56 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 57 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 58 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 59 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 60 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 61 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 62 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 63 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 64 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 65 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 66 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 67 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 68 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 69 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 70 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 71 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 72 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 73 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 74 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 75 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 76 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 77 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 78 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 79 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 80 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 81 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 82 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 83 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 84 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 85 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 86 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 87 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 88 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 89 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 90 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 91 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 92 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 93 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 94 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 95 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 96 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 97 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 98 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 99 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 100 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 101 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 102 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 103 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 104 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 105 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 106 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 107 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 108 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 109 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 110 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 111 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 112 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 113 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 114 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 115 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 116 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 117 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 118 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 119 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 120 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 121 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 122 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 123 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 124 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 125 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 126 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 127 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 128 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 129 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 130 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 131 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 132 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 133 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 134 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 135 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 136 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 137 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 138 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 139 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 140 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 141 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 142 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 143 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 144 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 145 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 146 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 147 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 148 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 149 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 150 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 151 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 152 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 153 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 154 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 155 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 156 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 157 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 158 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 159 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 160 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 161 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 162 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 163 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 164 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 165 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 166 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 167 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 168 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 169 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 170 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 171 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 172 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 173 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 174 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 175 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 176 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 177 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 178 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 179 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 180 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 181 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 182 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 183 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 184 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 185 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 186 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 187 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 188 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 189 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 190 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 191 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 192 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 193 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 194 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 195 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 196 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 197 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 198 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 199 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 200 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 201 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 202 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 203 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 204 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 205 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 206 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 207 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 208 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 209 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 210 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 211 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 212 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 213 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 214 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 215 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 216 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 217 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 218 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 219 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 220 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 221 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 222 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 223 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 224 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 225 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 226 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 227 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 228 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 229 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 230 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 231 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 232 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 233 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 234 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 235 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 236 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 237 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 238 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 239 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 240 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 241 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 242 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 243 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 244 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 245 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 246 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 247 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 248 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 249 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 250 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 251 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 252 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 253 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 254 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 255 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 256 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 257 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 258 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 259 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 260 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 261 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 262 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 263 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 264 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 265 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 266 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 267 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 268 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 269 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 270 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 271 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 272 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 273 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 274 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 275 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 276 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 277 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 278 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 279 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 280 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 281 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 282 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 283 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 284 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 285 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 286 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 287 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 288 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 289 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 290 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 291 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 292 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 293 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 294 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 295 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 296 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 297 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 298 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 299 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 300 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 301 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 302 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 303 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 304 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 305 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 306 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 307 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 308 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 309 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 310 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 311 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 312 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 313 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 314 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 315 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 316 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 317 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 318 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 319 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 320 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 321 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 322 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 323 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 324 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 325 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 326 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 327 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 328 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 329 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 330 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 331 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 332 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 333 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 334 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 335 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 336 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 337 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 338 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 339 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 340 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 341 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 342 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 343 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 344 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 345 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 346 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 347 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 348 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 349 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 350 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 351 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 352 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 353 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 354 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 355 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 356 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 357 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 358 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 359 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 360 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 361 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 362 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 363 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 364 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 365 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 366 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 367 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 368 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 369 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 370 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 371 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 372 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 373 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 374 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 375 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 376 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 377 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 378 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 379 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 380 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 381 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 382 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 383 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 384 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 385 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 386 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 387 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 388 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 389 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 390 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 391 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 392 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 393 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 394 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 395 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 396 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 397 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 398 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 399 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 400 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 401 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 402 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 403 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 404 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 405 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 406 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 407 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 408 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 409 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 410 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 411 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 412 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 413 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 414 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 415 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 416 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 417 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 418 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 419 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 420 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 421 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 422 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 423 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 424 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 425 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 426 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 427 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 428 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 429 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 430 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 431 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 432 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 433 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 434 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 435 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 436 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 437 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 438 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 439 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 440 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 441 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 442 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 443 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 444 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 445 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 446 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 447 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 448 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 449 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 450 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 451 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 452 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 453 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 454 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 455 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 456 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 457 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 458 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 459 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 460 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 461 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 462 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 463 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 464 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 465 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 466 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 467 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 468 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 469 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 470 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 471 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 472 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 473 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 474 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 475 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 476 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 477 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 478 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 479 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 480 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 481 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 482 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 483 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 484 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 485 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 486 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 487 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 488 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 489 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 490 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 491 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 492 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 493 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 494 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 495 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 496 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 497 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 498 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 499 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 500 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 501 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 502 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 503 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 504 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 505 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 506 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 507 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 508 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 509 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 510 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 511 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 512 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 513 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 514 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 515 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 516 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 517 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 518 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 519 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 520 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 521 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 522 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 523 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 524 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 525 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 526 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 527 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 528 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 529 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 530 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 531 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 532 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 533 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 534 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 535 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 536 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 537 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 538 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 539 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 540 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 541 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 542 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 543 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 544 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 545 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 546 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 547 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 548 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 549 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 550 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 551 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 552 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 553 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 554 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 555 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 556 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 557 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 558 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 559 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 560 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 561 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 562 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 563 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  | Семестр 564 (12 нед.) |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
|------------------|--|--------|--|--------------|--|--------------------|--|------|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
|------------------|--|--------|--|--------------|--|--------------------|--|------|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|---------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|-----------------------|--|--|--|--|--|--|--|--|--|